A-624

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVK-103

स्तोत्रपाठ एंव होम विधि

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. पूर्णाहुति का महत्व एंव बलिविधान का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Q.2. दुर्गासप्तशती का परिचय एंव दुर्गापाठ के शास्त्रीय विधान का विस्तार से वर्णन कीजिए।

अथवा

कुण्ड निर्माण विधान एंव कुण्डों के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Q.3. आदित्यहृदय स्तोत्र के पांच मन्त्रों का अर्थ सहित वर्णन कीजिए।

अथवा

शतचण्डी याग के विधान का निरूपण कीजिए।

Q.4. अग्नि स्थापना एंव अग्निवास विचार का वर्णन कीजिए।

Q.5. दुर्गासप्तशती से होम विधि का निरूपण कीजिए।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. द्वादशज्योतिर्लिंगों के नाम एंव स्थान का परिचय दीजिए।

अथवा

कुश कण्डिका विधि का वर्णन कीजिए।

Q.2. सहस्रचण्डी याग के विधान का निरूपण कीजिए।

अथवा

नित्य हवन विचार का वर्णन करें।

Q.3. नवरात्र का महत्व एवं कन्या पूजन को प्रतिपादित करें।

अथवा

स्रुवा संस्कार विधान का वर्णन कीजिए।

Q.4. कुश कण्डिका में प्रयुक्त पात्रों एंव वृक्षों का परिचय दीजिए।

Q.5. अग्नि जिह्वाओं का नाम सहित वर्णन करें।

Q.6. पंच भूसंस्कार का वर्णन कीजिए।

Q.7. हवन के शास्त्रीय महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

Q.8. श्री सूक्त पाठ के शास्त्रीय महत्व का वर्णन कीजिए।

****